WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2023

HINACOR13T-HINDI (CC13)

Time Allotted: 2 Hours

Fu

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए —

(क) नागरीप्रचारिणी सभा की स्थापना कब हुई थी ?

(ख) ' हिंदी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास ' पुस्तक के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ग) ' गरगज सिंह वर्मा ' किस साहित्यिक पत्रकार का छद्म नाम था ?

(घ) ' संगम ' पत्रिका के संस्थापक संपादक का नाम लिखिए।

(ङ) किस पत्र के लिए उसके संपादक ने यह कहा था कि ' यह पत्र भी मानसरोवर की शांति छोड़कर अपनी नन्ही सी चोंच में चुटकी-भर मिट्टी लिए हुए समुद्र पाटने – आजादी के जंग में योग देने चला है। '

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** पर टिप्पणी लिखिए —

(क) कर्मवीर

(ख) बालमुकुंद गुप्त

(ग) विशाल भारत

(घ) स्वदेश

(ङ) स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता।

3. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रेमचंद के अवदान पर विचार कीजिए।

अथवा

भारतेंदुयुगीन और द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता की प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

4. छायावादी साहित्यिक पत्रकारिता की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी भाषा और साहित्य के विकास में साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं के योगदान पर विचार कीजिए।

——×——

सर्वं विद्यायनम्

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2023

HINACOR14T-HINDI (CC14)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5 = 5

(क) 'मसौदा लेखन' को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ?

(ख) 'राजभाषा आयोग' का गठन किस वर्ष हुआ ?

(ग) 'अनुस्मारक' को अंग्रेज़ी में क्या कहते हैं ?

(घ) वैज्ञानिक हिंदी का एक लक्षण लिखिए।

(ङ) 'सरकारी कार्यालयों में हिंदी प्रयोग' पुस्तक के लेखक का नाम बताइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* पर टिप्पणी लिखिए — 5×3 = 15

(क) व्यावसायिक हिंदी

(ख) हिंदी, उर्दू और हिन्दुस्तानी

(ग) आकाशवाणी और दूरदर्शन

(घ) टिप्पणी लेखन

(ङ) पृष्ठांकन।

3. प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख लक्षणों को रेखांकित कीजिए। 15

अथवा

हिंदी के प्रयोगात्मक क्षेत्र अथवा भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना स्पष्ट कीजिए।

4. वैज्ञानिक हिंदी की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख लक्षणों पर विचार कीजिए। 15

अथवा

संचार माध्यम के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके लक्षणों को रेखांकित कीजिए।

——×——

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2023

HINADSE05T-HINDI (DSE3/4)

Time Allowed: 2 Hours

Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5 = 5

(क) 'विनय पत्रिका' की भाषा क्या है ?

(ख) 'बुद्धदेव के बाद भारत में सबसे बड़े लोकनायक तुलसीदास थे।'— कथन किसका है ?

(ग) 'कलि-वर्णन' प्रसंग के वक्ता और श्रोता का नाम लिखिए।

(घ) तुलसीदास को 'कलिकाल का वाल्मीकि' किसने कहा है ?

(ङ) काव्य-कला के क्षेत्र में दोहे को उलट कर लिखने की पद्धति किस नाम से प्रसिद्ध है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए — 5×3 = 15

(क) दम दान दया नहि जानपनी। जड़ता पर बंचनताति घनी॥
तनु पोषक नारि नरा सगरे। परनिंदक जे जग मो बगरे॥

(ख) नारि मुई गृह संपति नासि। मुड़ मुड़ाई होहि संयासी।
ते बिप्रन्ह सन आप पुजावहिं। उभय लोक निज हाथ नसावहिं॥
निरच्छर लोलुप कामी। निराचार सठ वृषली स्वामी॥
सूद्र करहिं जप तप ब्रत नाना। बैठि बरासन कहहिं पुराना॥
सब नर कल्पित करहि अचारा। जाइ न बरनि अनीति अपारा॥

(ग) बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबै पै, राम। रावरें कृपा करी।
दारिद-दसानन दबाई दुनी, दीनबंधु।
दुरित-दहन देखि तुलसी हहा करी॥

(घ) सुनु खगेस कलि कपट हठ दंभ द्वेष पाषंड।
मान मोह मारादि मद ब्यापि रहे ब्रह्मांड॥
तामस धर्म करहिं नर जप तप ब्रत मख दान।
देव न बरषहिं धरनीं बए न जामहिं धान॥

(ङ) जदपि बिषय सँग सहै दुसह दुख बिषम जाल अरुझान्यो।
तदपि न तजत मूढ़ ममताबस, जानत हूँ नहिं जान्यो॥
जनम अनेक किए नाना बिधि करम-कीच चित सान्यो।
होइ न बिमल बिबेक-नीर बिनु, बेद पुरान बखान्यो॥

3. तुलसी के काव्य में कलापक्ष और भावपक्ष को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'तुलसी के यहाँ काव्य-सृजन की देवी देवभाषा को छोड़कर लोकभाषा की ओर खिंची चली आती है' — कथन की युक्तियुक्तता पर विचार कीजिए। 15

4. तुलसीदास के काव्य में व्यक्त 'भक्ति-निरूपण' पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

"तुलसी का समस्त काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है"— इस कथन पर प्रकाश डालिए। 15

——x——

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY
B.A. Honours 6th Semester Examination, 2023

HINADSE06T-HINDI (DSE3/4)

Time Allotted: 2 Hours — Full Marks

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 1×5

(क) प्रेमचन्द को ' उपन्यास-सम्राट ' की संज्ञा किसने दिया था ?

(ख) प्रेमचन्द का पहला प्रौढ़ हिन्दी उपन्यास कौन-सा है ?

(ग) ' प्रेम प्रतिज्ञा ' कहानी-संग्रह का प्रकाशन वर्ष बताइए।

(घ) ' कलम का सिपाही ' के लेखक का नाम लिखिए।

(ङ) ' शतरंज के खिलाड़ी ' शीर्षक कहानी का प्रकाशन वर्ष बताइए।

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं *तीन* की सप्रसंग व्याख्या कीजिए — 5×3

(क) बसन्त के समीर और ग्रीष्म की लू में कितना अन्तर है। एक सुखद और प्राण पोषक, दूसरी अग्निमयी और विनाशिनी। प्रेम बसंत-समीर है, द्वेष ग्रीष्म की लू। जिस पुष्प को बसंत-समीर महीनों में खिलाती है, उसे लू का एक झोंका जलाकर राख कर देता है।

(ख) नवयुवक युवावस्था में कितना उद्दंड रहता है, माता-पिता उसकी ओर से कितने चिंतित रहते हैं। वे उसे कुल-कलंक समझते हैं; परन्तु थोड़े ही समय में परिवार का बोझ सिर पर पड़ते ही वह अव्यवस्थित-चित्त उन्मुक्त युवक कितना धैर्यशील, कैसा शांतचित्त हो जाता है, यह भी उत्तरदायित्व के ज्ञान का फल है।

(ग) आजकल धर्म तो धूर्तों का अड्डा बना हुआ है। इस निर्मल सागर में एक-से-एक मगरमच्छ पड़े हुए हैं। भोले-भाले भक्तों को निगल जाना उनका काम है। लम्बी-लम्बी जटाएँ, लम्बे-लम्बे तिलक छापे और लम्बी-दाढ़ियां देखकर लोग धोखे में आ जाते हैं, पर वह सब-के-सब महापाखण्डी, धर्म के उज्ज्वल नाम को कलंकित करने वाले, धर्म के नाम पर टका कमाने वाले, भोग-विलास करने वाले, पापी हैं।

(घ) इसका मतलब यह है कि बाहरी दबाव की जगह आत्मसंयम का उदय हो। सच्चा स्वाधीन आदमी वही है, जिसका जीवन आत्मा के शासन से संयमित हो जाता है, जिसे किसी बाहरी दबाव की जरूरत नहीं पड़ती।

(ङ) अपने किसी अभिन्न मित्र या भाई को भी वह इतनी ही तत्परता से गले लगाता। वह अपनी दीनता से आहत न था, जिसने आज उसे इस दशा को पहुंचा दिया। नहीं, इस अनोखी मैत्री ने जैसे उसकी आत्मा के सब द्वार खोल दिए थे और उनका एक-एक अणु प्रकाश से चमक रहा था।

3. औपन्यासिक शिल्प की अपेक्षाओं के अनुरूप ' सेवासदन ' उपन्यास के वस्तु-संगठन की स्थिति, पात्र संरचना एवं लेखक की रचना दृष्टि पर विस्तार से विचार कीजिए।

अथवा

' संग्राम ' नाटक में व्यक्त भारतीय किसानों की समस्याओं को विश्लेषित कीजिए।

4. प्रेमचन्द द्वारा रचित ' दो बैलों की कथा ' शीर्षक कहानी के माध्यम से कौन-कौन से संवेदनात्मक पक्ष एवं नीति विषयक मूल्य उभरकर सामने आए हैं। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कहानी के तत्त्वों के आधार पर प्रेमचन्द द्वारा रचित ' ईदगाह ' शीर्षक कहानी की समीक्षा कीजिए।

——x——